जलियाँवाला बाग में बसंत

(कविता)

5

यहाँ *कोकिला* नहीं, *काक* हैं शोर मचाते,
काले-काले कीट, *भ्रमर* का भ्रम उपजाते।
कलियाँ भी अधखिली, मिली हैं कंटक-कुल से,
वे पौधे, वे *पुष्प शुष्क* हैं अथवा झुलसे।।

परिमल-हीन *पराग* दाग-सा बना पड़ा है,
हाँ! यह प्यारा बाग खून से सना पड़ा है।
आओ प्रिय ऋतुराज! किंतु धीरे से आना,
यह है *शोक-स्थान*, यहाँ मत शोर मचाना।।

वायु चले, पर *मंद* चाल से उसे चलाना,
दुःख की आहें *संग* उड़ाकर मत ले जाना।
कोकिल गावे, किंतु राग रोने का गावे,
भ्रमर करे गुंजार, कष्ट की *कथा* सुनावे।।

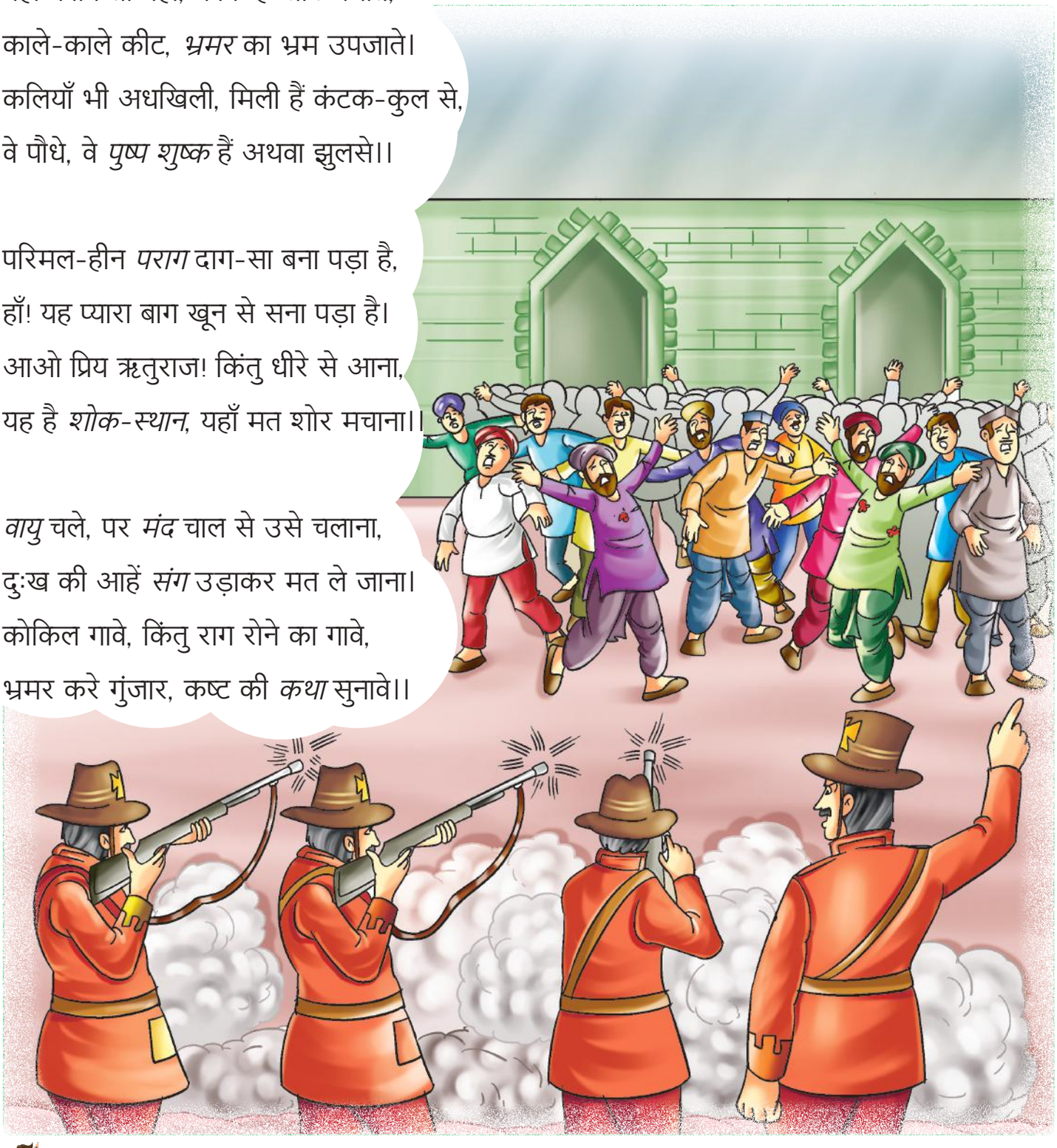

लाना *संग* में पुष्प, न हों वे अधिक सजीले,
हो सुगंध भी मंद, ओस से कुछ-कुछ गीले।
किंतु न तुम *उपहार* भाव आकर दिखलाना,
स्मृति में पूजा हेतु यहाँ थोड़े बिखराना।।

कोमल बालक मरे यहाँ गोली खा-खाकर,
कलियाँ उनके लिए गिराना थोड़ी लाकर।
आशाओं से भरे हृदय भी छिन्न हुए हैं,
अपने प्रिय परिवार देश से भिन्न हुए हैं।।

कुछ कलियाँ अधखिली यहाँ इसलिए चढ़ाना,
करके उनकी याद *अश्रु* की ओस बहाना।
तड़प-तडप कर वृद्ध मरे हैं गोली खाकर,
शुष्क पुष्प कुछ वहाँ गिरा देना तुम जाकर।।
सब कुछ करना, किंतु बहुत धीरे से आना,
यह है शोक-स्थान, यहाँ मत शोर मचाना।

–सुभद्रा कुमारी चौहान

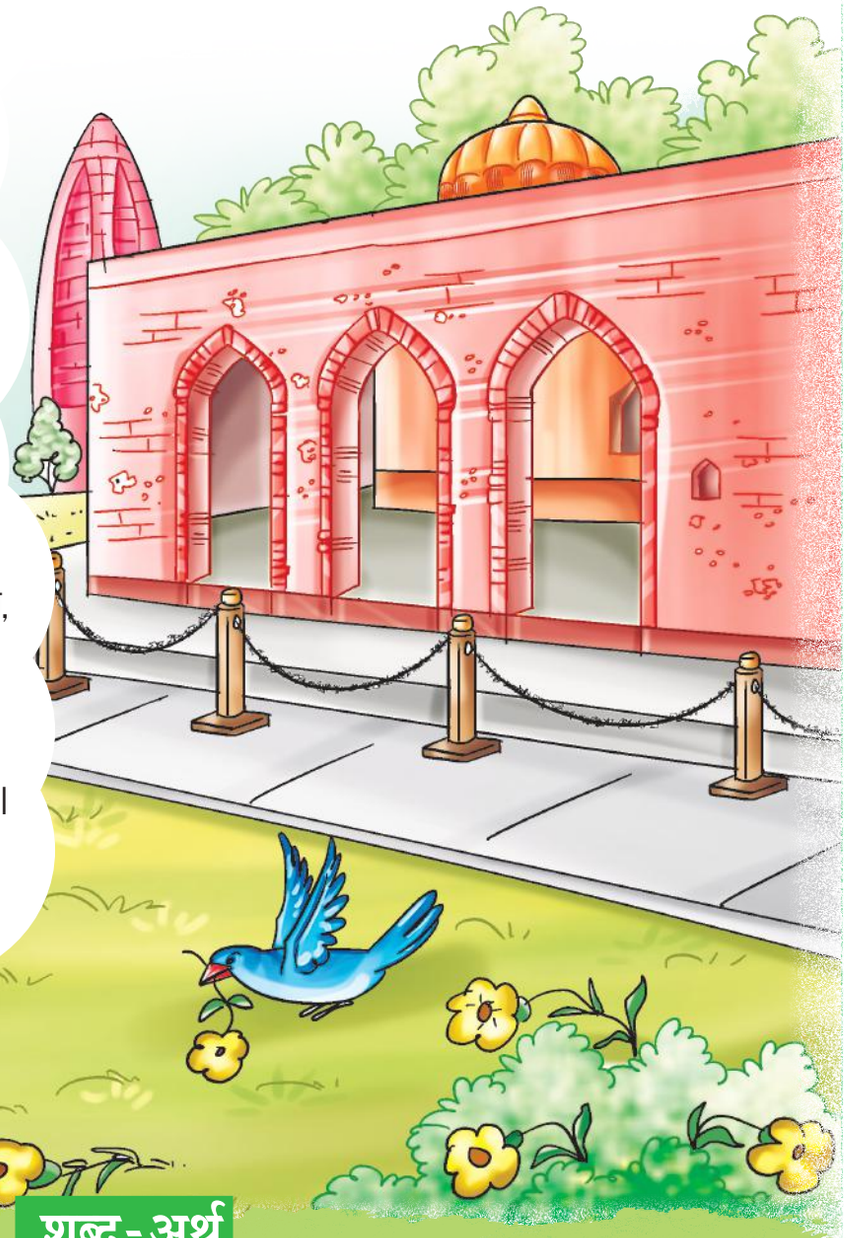

शब्द-अर्थ

कोकिला — कोयल *(koel)*,
काक — कौआ *(crow)*,
भ्रमर — भौंरा *(blackbee)*,
संग — साथ *(with)*,
कथा — कहानी *(story)*,
उपहार — भेंट, तोहफा *(present)*,
पराग — पुष्पराज *(king of flowers)*,
शोक-स्थान — दु:ख की जगह *(place of sorrow)*,
वायु — हवा *(wind)*,
मंद — धीरे, हल्की *(slowly)*,
पुष्प — फूल *(flower)*,
शुष्क — सूखे *(dried)*,
स्मृति — याद *(remembrance)*,
अश्रु — आँसू *(tears)*।

कविता का भावार्थ – प्रस्तुत कविता में कवयित्री सुभद्राकुमारी चौहान ने जलियाँवाला बाग हत्याकांड के बाद वहाँ का दृश्य प्रस्तुत किया है। जलियाँवाले बाग में कोयल नहीं कौए शोर मचाते हैं। काले-काले कीड़े-मकौड़े भौंरे के आने का भ्रम पैदा करते हैं। फूलों की बिना खिली कलियाँ कंटकों के कुल से मिलते हैं वहाँ के पौधे व फूल सूखे हुए हैं या झुलसे हुए। वह परिमल हीन शहद दाग सा बना पड़ा है। यह प्यारा सा बाग खून से सना पड़ा है। प्रिय ऋतुराज? यहाँ पर आओ लेकिन धीरे-से आना यहाँ चारों ओर मृत लोगों का स्थान है, यहाँ पर शोर मत मचाना। वायु को धीरे से बहाना, दुःख की बाँहों को अपने संग मत उड़ाकर ले जाना। कोयल जब गाएगी तो रोने का ही राग गाए, भौंरा अपनी भिनभिनाहट से सिर्फ वहाँ मिलने वाले कष्ट की कहानी को बयान करे। अपने साथ में फूल बिना सजावट वाले धीमी सुगंध वाले ओस से भीगे हुए लेकर आना। परंतु यह तोहफे के रूप में न लाकर याद के लिए पूजा के लिए कुछ बिखराना। जो छोटे बच्चे यहाँ गोली खाकर मृत पड़े हैं उनके ऊपर फूलों की कलियाँ बिखरना। वह हृदय जिसमें जीवन के कई रंग थे सब टूट गए। वह प्रिय परिवार अपने देश से अलग हुए हैं। इसलिए यहाँ कुछ बिना खिली हुई कलियों को यादों की ओस के आँसुओं से चढ़ाना। जो बूढ़े व्यक्ति यहाँ गोली खाकर मरे हैं उन पर कुछ सूखे फूल चढ़ा देना। यह सब कुछ करना मगर फिर भी बहुत धीरे से आना यह दुख की जगह है, यहाँ पर शोर मत मचाना।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

स्मृति	स्थानों	छिन्न	सुगंध	पुष्प
भ्रमर	कोकिला	ऋतुराज	संग	वायु

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) कविता में किस बाग की चर्चा की गई है?

(ख) कवयित्री ऋतुराज को कैसे बुला रही है?

(ग) जलियाँवाला बाग में कोकिला कैसा राग गाती है?

(घ) भ्रमर कैसी कथा सुना रहे हैं?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) कवयित्री ने किस बाग की चर्चा की है–

☐ मुगल गार्डन ☐ जलियाँवाला बाग ☐ कंपनी बाग

(ख) अपने प्रिय परिवार भिन्न हुए हैं–

☐ देश से ☐ घर से ☐ गाँव से

(ग) स्मृति में पूजा हेतु यहाँ थोड़े से फूल–

☐ सजाना ☐ बिखराना ☐ लगाना

(घ) प्यारा बाग सना पड़ा है–

☐ खून से ☐ रंग से ☐ हल्दी से

2. पंक्तियों को पूरा कीजिए–

(क) कलियाँ भी अधखिली, ... अथवा झुलसे।

(ख) ..... बना पड़ा है, हाँ! यह प्यारा बाग .....।

3. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत वाक्यों के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) कवयित्री ने सजीले फूल लाने को कहा है। ☐

(ख) ऋतुराज को बहुत जल्दी बुलाया गया है। ☐

(ग) जलियाँवाला बाग को खुशी का स्थान बताया है। ☐

(घ) बाग के पेड़ बहुत हरे-भरे हैं। ☐

4. शब्दों को उनके अर्थों से मिलाइए–

शब्द	अर्थ
(क) कोकिला	(i) पुष्पराज
(ख) मंद	(ii) याद
(ग) पराग	(iii) भौंरा
(घ) स्मृति	(iv) धीरे
(ङ) भ्रमर	(v) कोयल

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) बालकों के लिए कवयित्री क्या चाहती हैं?

(ख) जलियाँवाला बाग को शोक-स्थान क्यों कहा गया है?

(ग) जलियाँवाला बाग में पेड़ों की स्थिति कैसी है?

(घ) बाग में वृद्ध कैसे मरे?

भाषा-ज्ञान

1. नीचे दिए गए विकल्पों से चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

(क) पूजा के लिए थोड़े फूल .....।

☐ बढ़ाना ☐ चढ़ाना ☐ सजाना

(ख) बच्चा भूख से ..... है।

☐ रोता ☐ रोना ☐ रोते

(ग) करके ..... याद अश्रु की ओस बहाना।

☐ उनकी ☐ सबकी ☐ उसको

2. क्रिया के जिस रूप में समय का पता चलता हो, काल कहलाता है। इसके तीन भेद होते हैं– भूतकाल, वर्तमान काल तथा भविष्य काल।

- **निम्नलिखित के सामने उनके काल लिखिए–**

(क) तुम कहाँ जा रहे हो? .....

(ख) हम कल एक पार्टी रखेंगे। .....

(ग) मैं कल बाजार गया था। .....

(घ) तुम बड़े होकर सब कर पाओगे। .....

3. अब आप तीनों कालों के दो-दो वाक्य लिखिए–

भूतकाल

(क) .....

(ख) .....

वर्तमान काल

(क) .....

(ख) .....

भविष्य काल

(क) .....

(ख) .....

क्रियात्मक गतिविधि

- **कविता में पढ़कर निम्नलिखित शब्दों को पूरा कीजिए–**

कोकिला - .....

भ्रमर - .....

कीट - .....

कलियाँ - .....